मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 191, मुंबई, गुरुवार, 16 सितंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

SONU से सूद वसूली?

कभी 5500 रुपए लेकर मुंबई आए थे सोनू सूद, आज 130 करोड़ की संपत्ति के मालिक

अकाउंट बुक में गड़बड़ी के आरोप में 6 जगह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट सर्वे की कार्रवाई

18 दिन पहले दिल्ली सरकार ने ब्रांड एम्बेसडर बनाया था

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद के दफ्तर पर इनकम टैक्स विभाग का छापा पड़ा है। सबसे पहले आईटी टीम सोनू के मुंबई स्थित दफ्तर पहुंची। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अकाउंट बुक में गड़बड़ी के आरोपों के बाद आईटी की टीमों ने सोनू सूद और उनकी कंपनियों से जुड़ी 6 जगहों पर सर्वे किया है। बीते 27 अगस्त को ही दिल्ली सरकार ने सोनू सूद को स्कूली छात्रों से जुड़े प्रोग्राम का ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। इस दौरान उनके आम आदमी पार्टी में शामिल होने की अटकलें भी चली थीं, पर सोनू ने खुद कहा था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ उनकी सियासत पर कोई बात नहीं हुई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कोरोना महामारी और लॉकडाउन के दौरान 'मसीहा' बने सोनू, संयुक्त राष्ट्र ने किया था सोनू का सम्मान

एक फिल्म के लिए चार्ज करते हैं 2 करोड़

रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2021 में सोनू सूद की कुल संपत्ति 130 करोड़ रुपए (17 मिलियन डॉलर) है। सोनू अभी पत्नी और बच्चों के साथ मुंबई में रहते हैं। उन्हें हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और पंजाबी फिल्मों में काम के लिए जाना जाता है। ब्रांड एंडोर्समेंट उनकी इनकम का मेन सोर्स है। वे हर फिल्म के लिए लगभग 2 करोड़ फीस चार्ज करते हैं। उनका अपना एक प्रोडक्शन हाउस है, जिसका नाम शक्ति सागर प्रोडक्शन है। यह उनके पिता के नाम पर है। सोनू अब तक करीब 70 फिल्मों में काम कर चुके हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट और फिल्मों से वे हर महीने करीब एक करोड़ रुपए कमाते हैं यानी साल में कुल 12 करोड़।

एअर इंडिया की 68 साल बाद घर वापसी संभव

टाटा ग्रुप ने एअर इंडिया को खरीदने के लिए आखिरी दिन बोली लगाई, स्पाइसजेट भी दौड़ में

मुंबई। करीब 68 साल बाद एअर इंडिया घर वापसी कर सकती है। खबर है कि टाटा ग्रुप और स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह ने एअर इंडिया को खरीदने के लिए बोली लगाई है। बोली लगाने की कल अंतिम तारीख थी। एअर इंडिया पहले टाटा ग्रुप के पास ही थी। विनिवेश विभाग ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है। बोली लगाने का समय 6 बजे तक था। जो भी कंपनी इस बिड में फाइनल की जाएगी, उसे दिसंबर तक एअर इंडिया सौंप दी जाएगी। एअर इंडिया को 1932 में टाटा ग्रुप ने ही शुरू किया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

वित्त मंत्री का साथ

देश के आईटी सेक्टर की प्रतिष्ठित कंपनी इन्फोसिस के पक्ष में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कंपनी को 'राष्ट्र-विरोधी' बताने वाले पांचजन्य के आलेख को न सिर्फ अनुचित करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि सरकार व कंपनी, दोनों मिलकर काम कर रहे हैं और पूरी आशा है कि हमें बेहतर उत्पाद मिलेगा। गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी इस साप्ताहिक पत्रिका ने अपने मुख्य आलेख में पिछले दिनों जीएसटी व आयकर पोर्टलों में आई खामियों को 'देश की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने वाला' बताया था। अपने बेहद आक्रामक आलेख में इसने कंपनी पर 'टुकड़े-टुकडे गैंग' का मददगार होने का आरोप भी मढ़ दिया था। हालांकि, आरएसएस ने फौरन इस लेख से खुद को अलग कर लिया था, बल्कि उसने तो पांचजन्य को अपना मुखपत्र भी नहीं माना। वित्त मंत्री का बयान आरएसएस के त्वरित स्पष्टीकरण के मुकाबले कुछ देरी से जरूर आया है, पर यह देश के औद्योगिक क्षेत्र के मनोबल के लिए बहुत जरूरी था। एक ऐसे वक्त में, जब अर्थव्यवस्था को उद्योगपतियों और औद्योगिक क्षेत्र के विशेष सहयोग की आवश्यकता है, ऐसा माहौल कतई नहीं बनने देना चाहिए, जिससे वे निराश हों या उनकी प्रतिबद्धता पर किसी तरह के संदेह की गुंजाइश बने। निस्संदेह, इन पोर्टलों की तकनीकी खामियों की आलोचना की जा सकती है कि इन्हें लॉन्च करने से पहले पूरी तरह दोषमुक्त क्यों नहीं किया जा सका? लेकिन तकनीकी दुनिया में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। उत्कृष्ट वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, अरबों की लागत किसी तकनीकी कमी की वजह से सेकंडों में बेकार हो जाती है, तो क्या हम वैज्ञानिकों की नीयत पर संदेह करेंगे? भारत को आगे बढ़ाने में देश के सभी क्षेत्रों, विचारधाराओं का अहम योगदान है और इस बारे में किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। वैसे भी, किसी भी सरकार या संगठन से मुख्तलिफ राय रखना, उसकी मुखर आलोचना करना लोकतंत्र की बुनियादी विशेषता है और देश की ऊंची अदालतों ने कई बार हिदायत दी है कि आलोचना की बुनियाद पर किसी के विरुद्ध देशद्रोह के मुकदमे दर्ज नहीं किए जा सकते। लेकिन तमाम सरकारों ने ऐसी लोकप्रिय अवधारणा खड़ी करने की कोशिश की कि उनकी आलोचना को राष्ट्रद्रोह के बराबर देखा जाए। इसके दुष्परिणाम अब खुलकर सामने आने लगे हैं। अभी तक राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध इस 'टैग' का इस्तेमाल होता था, पर यह घातक प्रवृत्ति अब औद्योगिक घरानों को चपेट में लेने लगी है। यह संजीदगी से सोचने का समय है। सरकार के स्तर पर भी और समाज के स्तर पर भी। यह प्रवृत्ति पहले माहौल विषाक्त करती है, फिर कायदे-कानूनों के दुरुपयोग का सिलसिला चल पड़ता है। ऐसे में, जिम्मेदार संस्थाओं से अपेक्षा की जाएगी कि इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए वे त्वरित कदम उठाएं, जैसा कि आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रभारी सुनील आंबेकर ने किया। उन्होंने देश की उन्नति में न सिर्फ इन्फोसिस के योगदान को स्वीकारा, बल्कि लेख में व्यक्त विचारों से संघ को अलग कर लिया। आजादी की लड़ाई से लेकर दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में देश को खड़ा करने तक हमारे उद्योग जगत की देशभक्ति असंदिग्ध रही है, यह बात सबको याद रखनी चाहिए।

यूपी: किसी के लिए चुनाव आसान नहीं और प्रियंका...

अखिलेश यादव ज्यादा अनुभवी हैं। मुख्यमंत्री रह चुके हैं मगर अपेक्षाकृत युवा तेजस्वी की तरह आगे बढ़कर विपक्षी एकता की पहल नहीं कर पा रहे हैं। उन्हे अहसास नहीं है कि ये अब्बाजान की विभाजनकारी भाषा अभी कितने रूप बदलेगी और अकेले इससे लड़ना उनके लिए किसी भी हालत में संभव नहीं होगा। प्रियंका काफी हद तक इस खतरे को समझ रही हैं। रालोद के जयंत चौधरी भी समझ रहे हैं। कई छोटे दल भी अगर बिहार की तरह महागठबंधन बनता है तो साथ आने को तैयार हैं। उत्तर प्रदेश में किसी का भी सफर आसान नहीं है। क्रिकेट की भाषा में कहें तो मैच फंसा हुआ है। जो धीरज से खेल जाएगा, टीम स्पिरिट को बढ़ाते हुए वह मैच निकाल लेगा। अभी स्लेजिंग (दूसरी टीम के लिए अपशब्द) और बढ़ेगी। लेकिन गावस्कर जैसे शांत बने रहने का असली इम्तहान भी यही होगा। कांग्रेस इस गेम में बड़ी प्लेयर नहीं है। लेकिन अगर प्रियंका गांधी की राजनीति चल गई तो कांग्रेस बिहार चुनाव की तरह इस बार यूपी में भी महागठबंधन की धूरी बन जाएगी। प्रियंका अभी यूपी का एक सघन दौरा करके आई हैं। एक तरफ वे वहां कांग्रेस के संगठन को मजबूत एवं सक्रिय करने के लिए मीटिंग पर मीटिंग करती दिखती हैं तो दूसरी तरफ वे विपक्ष के साथ आने की संभावनाओं की टोह में भी लगी रहती हैं। इसी प्रयास के तहत वे अपने पिछले यूपी दौरे में ऋतु सिंह से मिलने लखीमपुर गईं थीं। ऋतु सिंह पंचायत चुनाव में उस समय बहुत परेशानी में पड़ गई थीं और फिर चर्चा में आ गईं थीं, जब उनके हाथ से नामांकन पत्र छीनने का वीडियो सामने आया था। वे सपा की तरफ से ब्लाक प्रमुख पद की उम्मीदवार थीं। प्रियंका के मिलने जाने और अखिलेश यादव के न जाने का उन पर ऐसा प्रभाव

पड़ा कि वे सपा छोडकर कांग्रेस में शामिल हो गईं। उनके कांग्रेस में शामिल होने से यूपी में एक नई राजनीतिक हलचल मच गई। ऋतु सिंह कोई बड़ी नेता नहीं हैं। मगर घटना विशेष ने उन्हें बड़ा महत्व दिला दिया। दिनदहाड़े बीच सड़क पर एक महिला से नामांकन छीनने की वीडियों बहुत वायरल हुआ था। यह महिला सुरक्षा से लेकर लोकतंत्र की स्थिति की भी बात थी। लेकिन वे जिस पार्टी के लिए लड़ रही थीं उस सपा ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। और प्रियंका गांधी दिल्ली से उनसे मिलने लखीमपुर पहुंच गईं। ऐसी घटनाएं छोटी होती हैं, मगर इनका राजनीतिक संदेश दूर तक जाता है। राजनीतिक कार्यकताओं में एक भावना आती है कि उनके लिए कोई सोचता है। इन्दिरा गांधी कांग्रेस के हर कार्यकर्ता में यह भावना पैदा कर देती थीं कि उसके सिर के उपर पर किसी का हाथ है। 1977 की भयानक हार जिसमें वे और संजय गांधी भी हार गए थे के ढाई साल बाद ही 1980 की शानदार वापसी के पीछे कार्यकताओं का ही मनोबल था। वाजपेयी जी ने कहा था लोकसभा में इन्दिरा गांधी को बधाई देते हुए कि यह संजय गांधी और उनके कार्यकर्ताओं की मेहनत और जोश का परिणाम है। तो प्रियंका गांधी यूपी में एक राजनीतिक मैसेज दे रही हैं कि हर राजनीतिक कार्यकर्ता जो चाहे जिस पार्टी का हो अगर अन्याय का शिकार होता है तो वे उसके साथ खड़ी हैं। इसके द्विस्तरीय असर हैं। एक दूसरी पार्टियों के कार्यकर्ताओं में भी प्रियंका के नेतृत्व के लिए सम्मान बढ़ना। और दूसरे विपक्ष में यह हलचल होना कि कांग्रेस का स्पेस बढ़ रहा है। प्रियंका यही चाहती हैं। जब तक यूपी में दूसरी विपक्षी पार्टियां खासतौर पर सपा यह नहीं मानेगी कि कांग्रेस को नजरअंदाज करना महंगा पड़ेगा तब तक वे कांग्रेस को भाव नहीं देंगी। हालांकि हर बार की तरह कांग्रेस के कुछ नेता फिर यह कह रहे हैं कि अकेले लड़ना चाहिए, पार्टी को मजबूत करना चाहिए मगर यह कहने वालों में से कोई भी ऐसा नहीं है जो दावे से कह सके कि अकेले लड़कर वह इतने वोट ला सकता है। या उसने पिछले पांच साल में पार्टी को मजबूत करने के लिए यह किया। प्रियंका यूपी की इन्चार्ज महासचिव हैं। उनकी प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। हालांकि कहा यह भी जाता है कि उन्हें यूपी का इन्चार्ज नहीं बनाना चाहिए था। यूपी कांग्रेस के लिए सबसे टफ स्टेट है। धर्म और जाति की राजनीति ने यहां व्यक्तियों तक पहुंचने के सारे सामान्य रास्ते बंद कर दिए हैं। दलित, पिछड़ा, सवर्ण फिर सवर्ण में भी ब्राह्मण, ठाकुर से लेकर श्मशान, कब्रिस्तान, अब्बाजान तक ही सारा राजनीतिक संवाद सीमित कर दिया गया है। मीडिया इसी पर बहसें कर रहा है। खेतों में आवारा पशु घुस रहे हैं इस पर कोई बात नहीं कर सकता। रिपोर्टर फौरन पूछते हैं कि तालिबान पर आपके विचार क्या हैं। बेचारा किसान कहता है कि पहले हमारी फसल की तबाही कि बात सुन लो फिर अपनी कहना मगर गांव कवर करने आया रिपोर्टर कहता है नहीं हमें यूपी के गांवों की खेती किसानी की कहानी नहीं तालिबानी कहानी बनाना है।

अमीरी और गरीबी की खाई

भारत में अमीरों और गरीबों के बीच की खाई आजकल पहले से भी अधिक गहरी होती जा रही है। ऐसा नहीं है कि भारत की समृद्धि बढ़ नहीं रही है। समृद्धि तो बढ़ रही है लेकिन उसके साथ-साथ आर्थिक विषमता भी बढ़ रही है। अभी एक जो ताजा सरकारी सर्वेक्षण हुआ है, उसका कहना है कि देश के 10 प्रतिशत मालदार लोग देश की 50 प्रतिशत संपदा के मालिक हैं और 50 प्रतिशत लोग ऐसे हैं, जिनके पास 10 प्रतिशत संपदा भी नहीं है। दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में यह असमानता और भी भारी है। यदि अपने गांवों में यह असमानता हम देखने जाएं तो हमारा माथा शर्म से झुक जाएगा। वहाँ ऊपर के 10 प्रतिशत लोग गांव की 80 प्रतिशत संपदा के मालिक होते हैं जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास सिर्फ 2.1 प्रतिशत संपदा होती है। हमारे देश में गरीबी की रेखा के नीचे वे लोग माने जाते हैं, जिनकी आमदनी 150 रु. रोज से कम है। ऐसे लोगों की संख्या सरकार कहती है कि 80 करोड़ है लेकिन इन 80 करोड़ लोगों को डेढ़ सौ रु. पूरे साल भर रोज मिलता ही रहेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। कौन हैं, ये लोग? ये हैं- खेतिहर मजदूर, गरीब किसान, आदिवासी, पिछड़े, मेहनतकश मजदूर, ग्रामीण और अनपढ़ लोग! इनकी जिंदगी में

अंधेरा ही अंधेरा है। इन्हें सरकार मनरेगा के तहत रोजगार देने का वायदा करती है लेकिन अफसर बीच में ही पैसा हजम कर जाते हैं। ये किसके पास जाकर शिकायत करें? इनके पास अपनी आवाज बुलंद करने का कोई जरिया नहीं है। गांवों की जिंदगी से तंग आकर ये बड़े शहरों में शरण ले लेते हैं। शहरों में इन्हें कौनसा काम मिलता है? चौकीदार, सफाई कर्मचारी, घरेलू नौकर, कारखाना मजदूर, ट्रक और मोटर चालक आदि के ऐसे काम मिलते हैं, जिनमें जानवरों की तरह लगे रहना पड़ता है। गंदी बस्तियों में झोपड़े बनाकर इन्हें रहना पड़ता है। इनके बच्चे पाठशालाओं में जाने की बजाय या तो सड़कों पर भीख मांगते हैं या घरेलू नौकरों की तरह काम करते हैं। देश के इन लगभग 100 करोड़ लोगों को 2000 केलोरी का भोजन भी नहीं मिल पाता है। कई परिवारों को तो भूखे पेट ही सोना पड़ता है। जिनके पास पेट भरने के लिए पैसे नहीं हैं, वे बीमार पड़ने पर अपना इलाज कैसे करवा सकते हैं? ये गरीब लोग पैदाइशी तौर पर कमजोर होते हैं। बीमार पड़ने पर ये जल्दी ही मौत के शिकार हो जाते हैं। कोरोना की महामारी ने सबको प्रभावित किया है लेकिन देश के गरीबों की दुर्गति बहुत ज्यादा हुई है। अचानक तालाबंदी घोषित करने से करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए और गांवों की तरफ मची भगदड़ में सैकड़ों लोग हताहत भी हुए। सरकारी आंकड़े देश में गरीबी के सच्चे दर्पण नहीं है। गरीबी रेखा वाले लोगों की संख्या अब काफी बढ़ गई है। निम्न मध्यम वर्ग के शहरी और ग्रामीण नागरिकों को अपना रोजमर्रा का जीवन गरीबी रेखा के आस-पास ही बिताना पड़ता है। देश के कुछ मुट्ठीभर मालदार लोगों ने महामारी के दौरान अपनी जेबें जमकर गर्म की हैं। अमीर ज्यादा अमीर हो गए हैं और गरीब ज्यादा गरीब। हमारी सरकारों ने आम लोगों की मदद के लिए पूरी कोशिश की है लेकिन वह नाकाफी रही है। अब देखें, इस आर्थिक संकट से भारत कैसे बाहर निकलता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ना बरतें लापरवाही, वैक्सीन लेने के बाद 24 हजार हुए पॉजिटिव, मुंबई में बीएमसी ने इकट्ठा किया 67 लाख से अधिक लोगों का डाटा

संवाददाता

मुंबई। कोरोना से जारी जंग में वैक्सीन ही सबसे बड़ा हथियार माना जा रहा है। लेकिन वैक्सीन लेने के बाद नियमों का पालन करना न भूलें। पूरी एहतियात बरतें। वैक्सीन लेने के बाद भी कोरोना से संक्रमित होने के मामले सामने आ रहे हैं। इसको लेकर बीएमसी स्वास्थ्य विभाग ने हाल ही में एक अध्ययन किया है। इस अध्ययन में मुंबई में अभी तक सिंगल और डबल डोज लेने के बाद लगभग 24 हजार लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें सिंगल डोज लेने वालों के संक्रमण होने की संख्या सबसे अधिक बताई जाती है। राहत की बात यह है कि इन लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण मिले हैं। बता दें कि वैक्सीन की डोज लेने के बाद भी लोगों के दोबारा संक्रमित होने के

मामले सामने आ रहे थे। इसके बाद से बीएमसी स्वास्थ्य विभाग ने सभी वॉर्ड से जानकारी इकट्ठी करनी शुरू कर दी कि वैक्सीन की पहली डोज लेने के बाद कितने संक्रमित हुए हैं और दूसरी डोज लेने के बाद कितने संक्रमित हुए। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि पूरे मुंबई से 67 लाख से अधिक लोगों का डाटा इकट्ठा किया गया है। इस डेटा के मुताबिक पहला डोज ले चुके 41 लाख से अधिक लाभर्थियों में से 14,239 कोरोना से संक्रमित हुए है, जबकि दोनों डोज ले चुके 25 लाख से अधिक लोगों में से 9001 लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। अतिरिक्त मनपा आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि दोनों डोज लेने वालों के मुकाबले 37 फीसद अधिक पहले डोज वाले संक्रमित हुए हैं।

हल्के और मध्यम लक्षण मिले: राहत की बात यह है कि इनमें कोरोना के हल्के और मध्यम लक्षण मिले है। इतना ही नही दोनों डोज लेने के बाद कोरोना से संक्रमित हुए सभी लोग कम समय मे पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। पहला और दूसरा डोज लेने के बाद हुए कोरोना से संक्रमितों में बुजुर्गों का प्रमाण सबसे अधिक है। पहले डोज के बाद 1.52 फीसद और दूसरे डोज के बाद 0.59 फीसद बुजुर्ग संक्रमित हुए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर 45 प्लस समूह के लोग है। पहला डोज लेने के बाद 45 प्लस समूह के 0.72फीसद और दूसरे डोज के बाद 0.25 फीसद कोरोना से संक्रमित हुए है।

शातिर चोर ने घर से 4 मोबाइल और एक लैपटॉप चोरी कर हुआ फरार

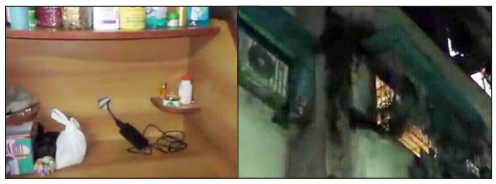

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। रशीद कंपाउंड परिसर की इमारत के घर में हुई चोरी का मामला प्रकाश में आया है मामला यह बताया जा रहा है एम के टावर दूसरा मंजिला मकान नंबर 24 के रहिवासी शहनाज के घर 13 सितंबर सोमवार देर रात को एक शातिर चोर ने खिड़की पर लगे ग्रिल के फाइबर पत्रे तोड़कर अंदर घर में घुसकर घर से 4 मोबाइल और एक लैपटॉप लेकर फरार हो गया शातिर चोर ने चोरी की वारदात को उस वक्त अंजाम दिया। जब घर में सब लोग सो रहे थे इस मकान के मालकिन शहनाज द्वारा मिली जानकारी के अनुसार हम लोग घर में सो रहे थे 4:00 बजे अचानक मेरी लड़की की आंख खुली तब उसने देखा कि मेरा लैपटॉप और मोबाइल कहीं नहीं नजर आ रहे हैं तब उसने मुझे उठाया और मैंने मेरे लड़के को भी उठाया तब हमने देखा की खिड़की की ग्रिल का फाइबर का पत्रा तोड़कर किसी चोर ने घर से लैपटॉप और मोबाइल लेकर फरार हो गया सुबह 7:00 बजे जब मैं पहले माले पर पूछताछ करने के लिए गई तो मुझे पता रात को 3:00 बजे तुम्हारे घर से कोई आवाज आई थी और कोई दुबला पतला लड़का थैली में कोई सामान रख कर भाग रहा था तो मैं समझ गई यह चोर दो दो माला दीवार से चढ़कर मेरी खिड़की पर लगे ग्रिल का फाइबर पत्रा तोड़कर यह चोर मैंने घर में घुस गया और हमारे इलाके की स्ट्रीट लाइट भी काफी समय से बंद है और इसी वजह से इस इलाके में पूरा अंधेरा रात के समय में रहता है और इसी का फायदा उठाकर चोर मेरे घर में घुस गया और माना जा रहा है कि चोर काफी दुबला पतला और कम हाइट का होगा तभी यह छोटी सी जगह पर घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया स्थानीय रहवासी की मदद से शहनाज ने घर में हुई चोरी की घटना की शिकायत मुंब्रा पुलिस मैं की पुलिस ने घर का पंचनामा कर चोरी का मामला दर्ज कर लिया आगे की छानबीन मुंब्रा पुलिस कर रही है फिलहाल मुंब्रा कौसा पर फिर चोरों का और मोटरसाइकिल चोरों का आतंक बढ़ता हुआ नजर आ रहा है मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधुकर कड से निवेदन है इस चोरी के मामले को गंभीरता से लेकर चोरों को सलाखों के पीछे भेजें और यकीनन यह चोरी का काम भी नशेड़ी ओ द्वारा ही किया गया होगा।

सड़कों पर गड्ढे होने के कारण मुंब्रा कांग्रेस ने किया गड्ढा भरो आंदोलन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। बारिश के मौसम में सड़कों पर हो रहे गड्ढे को लेकर मुंब्रा शहर की कांग्रेस पार्टी सड़कों पर गड्ढा भरो आंदोलन करने पर उतर आई है रेतीबंदर परिसर से गुजरती हुई सड़क पर गड्ढे होने की वजह से आए दिन कोई न कोई दुर्घटना होती है सड़कों पर गड्ढे होने के कारण वाहनों को चलने में काफी दिक्कतें आती हैं सड़कों पर गड्ढे होने से बारिश में गड्ढों में पानी भर जाता है उससे वाहन चालक को गड्ढा दिखाई नहीं देता और कोई दुर्घटना का सामना वाहन चालक को करना पड़ता है इन गड्ढों पर कठोर प्रतिक्रिया दिखाते हुवे ठाणे शहर के कांग्रेस जिला अध्यक्ष विक्रांत चौहान

के नेतृत्व में 14 सितंबर मंगलवार दोपहर 3:00 बजे कांग्रेस ने गड्ढा भरो आंदोलन किया इस आंदोलन में उपस्थित कांग्रेसी नेता भोला पाटिल ने बताया सड़कों पे गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क यह समझ से परे है क्या मनपा प्रशासन के अधिकारियों को सड़क पर गड्ढे क्यों नजर नहीं आते आखिर मानपा प्रशासन सड़क के गड्ढों को क्यों नहीं भर्ती अभी गणेश उत्सव का त्यौहार चल रहा है इससे पहले रमजान भी आकर चला गया फिर भी मनपा प्रशासन ने सड़कों के गड्ढों को नहीं भरा इसमें मानपा प्रशासन का पूरा भ्रष्टाचार साफ तौर पर नजर आता है पिछले साल भी हमने आंदोलन किया था तब जाकर मानपा ने सड़क के गड्ढों को भरने का काम शुरू किया था हम चेतावनी देते हैं मानपा प्रशासन के अधिकारियों को अगर 10 दिनों के अंदर मानपा ने रेतीबंदर से लेकर पूरे शहर में जहां-जहां गड्ढे हैं अगर मनपा द्वारा गड्ढों को नहीं भरा गया तो कांग्रेस पार्टी ठाणे मनपा मुख्यालय में आंदोलन करेगी इस आंदोलन में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सोनू से सूद वसूली?

सोनू सूद ने कोरोना काल में लगाए गए लॉकडाउन के दौरान सबसे पहले प्रवासियों को उनके घर पहुंचाने का बीड़ा उठाया था। इसके बाद वे लगातार देश भर के लोगों की मदद करते रहे हैं। कई राज्य सरकारों ने सोनू के साथ काम करने के लिए हाथ मिलाया है, जिनमें पंजाब और दिल्ली सरकार शामिल है। इसके अलावा सोनू ने गुडवर्कर जॉब ऐप, स्कॉलरशिप प्रोग्राम भी चलाए हैं। वे देश में 16 शहरों में ऑक्सीजन प्लांट भी लगवा रहे हैं। कोरोना के दौरान किए गए सोनू के मानवीय कामों के लिए फैंस उन्हें मसीहा कहने लगे। 48 साल के सोनू हिन्दी, तेलुगु, कन्नड़ और तमिल फिल्मों में काम कर रहे हैं। जल्द ही वो एक पीरियड ड्रामा पृथ्वीराज में दिखाई देंगे। इसके अलावा वे तेलुगु एक्शन-ड्रामा आचार्य में भी काम कर रहे हैं। सितंबर 2020 में सूद को कोरोना महामारी के दौरान उनके मानवीय कार्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने 2020 एसडीजी स्पेशल ह्यूमैनिटेरियन एक्शन अवॉर्ड दिया था। फिलहाल वे देश के हर खास-ओ-आम की मदद के लिए सूद चैरिटी फाउंडेशन चला रहे हैं।

एअर इंडिया की 68 साल बाद घर वापसी संभव

टाटा समूह के जे.आर.डी. टाटा इसके फाउंडर थे। वे खुद पायलट थे। तब इसका नाम टाटा एअर सर्विस रखा गया। 1938 तक कंपनी ने अपनी घरेलू उड़ानें शुरू कर दी थीं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद इसे सरकारी कंपनी बना दिया गया। आजादी के बाद सरकार ने इसमें 49 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदी। इस डील के तहत एअर इंडिया का मुंबई में स्थित हेड ऑफिस और दिल्ली का एयरलाइंस हाउस भी शामिल है। मुंबई के ऑफिस की मार्केट वैल्यू 1,500 करोड़ रुपए से ज्यादा है। मौजूदा समय में एअर इंडिया देश में 4400 और विदेशों में 1800 लैंडिंग और पार्किंग स्लॉट को कंट्रोल करती है। भारी-भरकम कर्ज से दबी एअर इंडिया को कई सालों से बेचने की योजना में सरकार फेल रही। सरकार ने 2018 में 76% हिस्सेदारी बेचने के लिए बोली मंगाई थी। हालांकि उस समय सरकार मैनेजमेंट कंट्रोल अपने पास रखने की बात कही थी। जब इसमें किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई तो सरकार ने मैनेजमेंट कंट्रोल के साथ इसे 100% बेचने का फैसला किया। हाल में विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि 15 सितंबर के बाद बोली लगाने की तारीख नहीं बढ़ाई जाएगी। उधर, भाजपा के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इसी हफ्ते सोशल मीडिया पर कहा था कि एअर इंडिया की नीलामी की प्रक्रिया में धांधली हो रही है। इसके खिलाफ उन्होंने कोर्ट जाने की बात कही थी। स्वामी ने नीलामी की प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की थी। उनका कहना था कि स्पाइसजेट खुद फाइनेंशियल समस्याओं से घिरी हुई कंपनी है और ऐसे में वह बोली लगाने की अधिकारी नहीं है। उन्होंने टाटा को भी अयोग्य बताया। कहा कि एअर एशिया के मामले में टाटा संकट में है और कोर्ट में मामला लंबित है। एअर इंडिया 2007 में इंडियन एयरलाइंस में विलय के बाद से कभी नेट प्रॉफिट में नहीं रही है। कंपनी को मार्च 2021 में खत्म तिमाही में 9,500-10,000 करोड़ रुपए का घाटा होने की आशंका जताई गई है। एअर इंडिया पर 31 मार्च 2019 तक कुल 60,074 करोड़ रुपए का कर्ज है। जो भी एअर इंडिया को खरीदेगा, उसे इसमें से 23,286.5 करोड़ रुपए का कर्ज का बोझ उठाना होगा। बाकी का कर्ज एअर इंडिया असेट होल्डिंग को स्पेशल परपज व्हीकल के जरिए ट्रांसफर किया जाएगा। जनवरी 2020 में जारी एड्वक में यह शर्त लगाई गई थी। एअर इंडिया की नॉन-कोर असेट्स बेचकर से जो पैसा आएगा, उसका उपयोग एअर इंडिया का कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा। एअर इंडिया की प्रॉपर्टी का रिजर्व प्राइस इसकी ओवरसाइट कमिटी ने तय किया है। इसमें तीन वैल्यूअर्स से प्रपोजल मिला है। ओवरसाइट कमिटी ने 16 प्रॉपर्टी की रिजर्व कीमतों में 10% कमी करने को मंजूरी दी थी। क्योंकि कई बार इन प्रॉपर्टी की नीलामी की गई, पर कीमत ज्यादा होने से कोई खरीदार इसके लिए आगे नहीं आया। अक्टूबर 2020 में सरकार ने कहा था कि एअर इंडिया की बिक्री इसके इंटरप्राइज वैल्यू पर होगी, न कि इक्विटी वैल्यू पर। इंटरप्राइज वैल्यू का मतलब इक्विटी की वैल्यू, कर्ज और कंपनी के पास कैश से है। इक्विटी वैल्यू में केवल कंपनी के शेयरों के वैल्यू को लिया जाता है।

सिर्फ जावेद अख्तर साहब या मैं ही नहीं हैं, यहां कोई भी जो राइट विंग के खिलाफ बोलता है उसे टॉर्चर ही किया जाएगा

मन की बात कहने पर अभिनेताओं को किया जाता है परेशान, इसी वजह से हमेशा चुप रहते हैं सलमान, आमिर और शाहरूख खान

संवाददाता / मुंबई

एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने हाल ही में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी का जश्न मनाने वाले भारतीय मुसलमानों को क्रिटिसाइज करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें उन्होंने चिंता जताई कि भारतीय मुसलमानों का तालिबान की तारीफ करना काफी खतरनाक हो सकता है। दिग्गज एक्टर ने अपने एक ताजा इंटरव्यू में कहा है कि इंडस्ट्री में एक्टर्स को अपने मन की बात कहने पर परेशान किया जाता है। सलमान, आमिर और शाहरूख खान हर मामले में चुप क्यों रहते हैं? क्यों वे हर मुद्दे पर अपने मन की बात लोगों के सामने नहीं रख पाते हैं। उन्होंने कहा कि यहां सिर्फ जावेद अख्तर या मैं ही नहीं, जो भी राइट विंग के खिलाफ बोलेगा, उसे टार्चर किया जाएगा।

खास बातें

- खानों के पास खोने को बहुत कुछ, वे जानते हैं कुछ बोले तो परेशान किए जाएंगे
- ऐसे में चुप रहना ही बेहतर विकल्प, समय के साथ समझ गए हैं चुप्पी का महत्व

तीनों खान एक्टर्स के पास खोने को बहुत कुछ

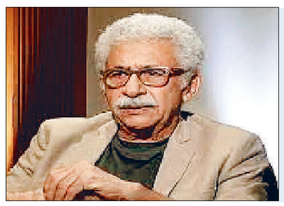

नसीरुद्दीन ने कहा, खान्स इस बात से परेशान रहते हैं कि उन्हें हैरेस किया जाएगा। उनके पास खोने के लिए बहुत कुछ है। हैरेसमेंट सिर्फ फाइनेंशियल नहीं होगा, या फिर वह अपने एक या दो फैन्स नही खोएंगे बल्कि उन्हें हर तरीके से हैरेस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में तीनों खान एक्टर्स के आलावा जो कोई भी बोलने की हिम्मत करेगा, उसे हैरेसमेंट का सामना करना पड़ेगा। यह सिर्फ जावेद साहब या मैं नहीं हैं, यहां कोई भी जो राइट विंग के खिलाफ बोलता है उन्हें टॉर्चर किया जाएगा और यह दोनों तरफ से बढ़ रहा है।

प्रोपेगैंडा फिल्मों को तुरंत दे दी जाती है मंजूरी

नसीरुद्दीन शाह ने कहा, फिल्म मेकर्स पर सरकार का समर्थन करने वाली फिल्में बनाने का दबाव बनाया जा रहा है। वे लोग ऐसी फिल्में फाइनेंस भी करते हैं और साफ तौर पर कहते हैं कि अगर प्रोपेगैंडा फिल्म बनेगी, तो उसे तुरंत क्लीन चिट दे दी जाएगी।' उन्होने कहा कि, इंडस्ट्री में उन्हें कभी भी मुस्लिम होने के चलते कोई भेदभाव महसूस नहीं किया है। हालांकि, इंडस्ट्री में एक्टर्स यदि अपने मन की बात कहने की हिम्मत करते हैं तो उनको हैरेस किया जाता है और यही कारण है कि बॉलीवुड बड़े खान एक्टर्स हमेशा हर मामले में चुप रहना पसंद करते हैं।

अल्जीरिया दौरे पर मुरलीधरन

नई दिल्ली। विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन 15 से 17 सितंबर तक अल्जीरिया के दौरे पर होंगे। वी मुरलीधरन दो दिवसीय यात्रा के दौरान अल्जीरिया की प्रधानमंत्री बेनबदर रहमान से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा अल्जीरिया के विदेश मंत्री लामामरा के साथ भी बैठक करेंगे। वी मुरलीधरन अपनी यात्रा के दौरान अल्जीरिया में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने ये जानकारी मंगलवार 14 सितंबर को दी है। विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन का अल्जीरिया के लिए यह पहली यात्रा होगी। भारत और अल्जीरिया के अच्छे संबंध हैं।

बेहतर माहौल बनाने के लिए मिलकर सहयोग करे विश्व समुदाय

अफगानिस्तान के लोगों के साथ भारत की दोस्ती ऐतिहासिक संकट के इस समय में नहीं छोड़ेंगे उनका साथ : जयशंकर

अफगानिस्तान एक अहम और बेहद चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है और वहां बेहतर माहौल बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक साथ आना चाहिए, तभी उसे संकट के इस दौर से बाहर निकाला जा सकता है

संवाददाता / नई दिल्ली

अफगानिस्तान में गंभीर मानवीय संकट के बीच भारत ने कहा कि वह पहले की तरह ही अफगानों के साथ खड़ा रहेगा। भारत ने अफगानिस्तान को सहायता करने वाले देशों को निर्बाध पहुंच प्रदान किये जाने और समाज के सभी वर्गों को राहत सामग्री के बिना भेदभाव के वितरण की भी जरूरत बताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान एक अहम और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है और वहां बेहतर माहौल बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक साथ आना चाहिए।

गरीबी का बढ़ता स्तर बड़ा खतरा

अफगानिस्तान में मानवीय हालात पर संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में डिजिटल तरीके से अपने संक्षिप्त संबोधन में विदेश मंत्री ने गरीबी के बढ़ते स्तर के खतरे पर भी जोर दिया। कहा कि इसका क्षेत्रीय स्थिरता के लिए विनाशकारी असर हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने अफगानिस्तान के भविष्य में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका का लगातार समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा इसके लोगों के साथ हमारी ऐतिहासिक मित्रता द्वारा निर्देशित होता रहा है, आगे भी ऐसा ही रहेगा।

भारत रख रहा है हालात पर नजर

विदेश मंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान में राहत सामग्री पहुंच जाएगी तो दुनिया अफगान समाज के सभी वर्गों में मानवीय सहायता के भेदभाव रहित वितरण की स्वाभाविक रूप से अपेक्षा रखेगी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा हालात में व्यापक बदलाव और इसके परिणाम स्वरूप मानवीय जरूरतों में भी परिवर्तन देखा गया है। विदेश मंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान के करीबी पड़ोसी के रूप में वहां के घटनाक्रम पर भारत नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रा और सुरक्षित आवाजाही का मुद्दा मानवीय सहायता में अवरोध बन सकता है जिसे तत्काल सुलझाया जाना चाहिए।

अफगान शरणार्थियों ने किया तालिबान के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता / नई दिल्ली

अफगान शरणार्थियों ने मंगलवार को दिल्ली में तालिबान के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी हाथों तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था, "आतंकवाद और पाकिस्तान एक सिक्के के एक ही पहलू हैं" और "आईएसआई अफगानिस्तान छोड़ो" और तालिबान के खिलाफ नारे लगाए। एक प्रदर्शनकारी ने बताया, मेरे रिश्तेदार पंजशीर में रह रहे थे। पाकिस्तान एयरफोर्स ने मेरे रिश्तेदारों, मेरे चचेरे भाइयों को मार डाला, इसलिए हम यहां पाकिस्तान का विरोध करने आए हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी सपुर ने बताया, आईएसआई हमारे देश में दखल दे रही है। आईएसआई चीफ (अधिग्रहण के दौरान) अफगानिस्तान गए थे। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि भारत, पाक आतंकवाद के खिलाफ हमारा समर्थन करे। हम तालिबान और आईएसआई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने अफगान प्रतिरोध आंदोलन के समर्थन में नारे भी लगाए।

घरेलू रसोई गैस भरने की एक अवैध इकाई चलाने के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने यहां उपनगरीय गोवंडी में घरेलू रसोई गैस एलपीजी भरने की एक अवैध इकाई चलाने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अपराध शाखा की इकाई-6 ने मंगलवार दोपहर शिवाजी नगर मोहल्ले में छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी शाहरुख शेख (31), यासीन सिद्दीकी (24), उस्दुल्लाह खान (31), करीम खान (31) और जाकिर खान (38) इकाई चलाते थे, जहां वे गैस एजेंसियों से लोगों द्वारा खरीदे गए घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों को कथित तौर पर भरते थे और बाद में उन्हें बाजार में बेचते थे। उन्होंने बताया कि मौके से 14 लाख रुपये के उपकरण भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 तथा अन्य संबंधित धाराओं और द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति और वितरण विनियमन) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

कोई भी मुआवजे से वंचित न रहे इसका ध्यान रखा जाए : राजस्व राज्य मंत्री अब्दुल सत्तार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। अत्यधिक वर्षा के कारण मरने वालों के वारसा और पशुपालकों को वित्तीय सहायता का तत्काल वितरण। भारी बारिश के कारण नदियों और नालों में बाढ आ गई है। और खेती की जमीनें नष्ट हो गई हैं। साथ ही खेतों में पानी भर गया है और फसल बर्बाद हो गई है। नतीजतन, किसान को निर्वासित कर दिया गया है। सरकार को रिपोर्ट देनी है।कोई भी किसान मुआवजे से वंचित न रहे, इसका ध्यान रखा जाए।इस तरह के निर्देश राजस्व राज्य मंत्री अब्दुल सत्तार ने दिए।राज्य मंत्री अब्दुल सत्तार की अध्यक्षता में जिला योजना समिति हॉल, जिला कलेक्टर कार्यालय में राज्य मंत्री अब्दुल सत्तार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। वह उस समय समीक्षा करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय ग्राम समिति के अध्यक्ष एवं सांसद प्रतापराव जाधव, पंचायत राज समिति के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. संजय रायमुलकर, विधायक संजय गायकवाड़, बुलडाना क्रुबास अध्यक्ष जलंधर बुद्धवत, पूर्व विधायक डॉ. शशिकांत खेडेकर, कलेक्टर एस राममूर्ति, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी भाग्यश्री विस्पुते उपस्थित थे।राज्य मंत्री अब्दुल सत्तार ने कहा कि ग्राम स्तर की एजेंसियां गांवों में जाकर नुकसान की जानकारी लें। नुकसान जानकर किसी को भी मदद से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसलिए पंचनामा पूर्ण करना चाहिए। तीसरे कोरोना संक्रमण की संभावित लहर चर्चा में है। इसलिए, स्वास्थ्य प्रणाली को दूसरी लहर लेनी चाहिए और ऑक्सीजन के उत्पादन और आपूर्ति की तैयारी करनी चाहिए। जिले में दूसरी खुराक लेने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत कम है। इसलिए पहली खुराक लें और उन लाभार्थियों की योजना बनाएं जो दूसरी खुराक के लिए पात्र हैं। किसी की दूसरी खुराक कब आएगी, आने के बाद उसे टीका लगाया गया है या नहीं, इसकी ठोस कार्य योजना बनानी चाहिए। टीकाकरण में, एक तालुका को लक्षित किया जाना चाहिए और उसमें युद्ध स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जाना चाहिए। इसके लिए व्यापारियों और धर्मगुरुओं की बैठकें होनी चाहिए। भ्रांति फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्हें तालुका टीकाकरण में इसे एक मॉडल बनाकर राज्य के सामने एक मिसाल कायम करनी चाहिए। टीकाकरण एक राष्ट्रीय कर्तव्य है और इसमें ग्राम स्तर पर सभी तंत्रों का उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही इस राष्ट्रीय कर्तव्य को जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पूरा करना चाहिए।इस समय सांसद प्रतापराव जाधव ने कहा कि व्यवस्था को टीकाकरण में आ रही दिक्कतों को दूर करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जहां आवश्यक हो वहां जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए। विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा कि नदी का तल संकरा हो गया और प्रवाह बाधित हो गया। परिणामी बाढ़ ने कृषि को बहा दिया। यह स्थायी रूप से तय किया जाना चाहिए। यदि नदी का बेसिन संकरा है तो आसपास के किसानों को समझाकर और इसके नुकसान के बारे में बताकर अतिक्रमण हटाया जाए। कंटेनर को चौड़ा करके प्रवाह सुचारू होना चाहिए। विधायक डॉ. संजय रायमुलकर ने कहा कि लोनार और मेहकर तालुका के जिन इलाकों में भारी बारिश हुई है, उन्हें भी मुआवजा दिया जाना चाहिए। किसी को भी मुआवजे से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी नरेंद्र नाईक ने नुकसान की जानकारी दी। रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर दिनेश गीते ने मकान, मवेशी व मानव मृत्यु की जानकारी दी। जिला सर्जन डॉ. नितिन टाडास और अति। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सांगले ने कोरोना संक्रमण की तैयारी और टीकाकरण की जानकारी दी। उसके बाद उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश लोखंडे ने जिला परिषद से समस्याओं की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर धनंजय गोगटे, विभागाध्यक्ष, अनुमंडल पदाधिकारी, तहसीलदार, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

किसानों व राजवेस्ट कंपनी के बिच वार्ता विफल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बाड़मेर। जालीपा कपुरडी लिग्नाइट परियोजना भूमि अवाप्ति से प्रभावित तेली समाज के लोगों व उपखंड अधिकारी व राज वेस्ट लिमिटेड कंपनी के अधिकारियों के बीच उपखंड कार्यालय बाड़मेर में वार्ता हुई बैठक में किसानों ने मांग की कपुरडी में तेली समाज की पुश्तैनी जमीन में से कब्रिस्तान हेतु अपनी निजी खातिरदारी में से दी थी अवाप्ति के समय कंपनी ने आश्वासन दिया था आपकी निजी खातेदारी कब्रिस्तान की जमीन के बदले जमीन देंगे नहीं तो उसका मुआवजा देंगे लंबे समय से आश्वासन देते रहे।अब किसानों का आक्रोश फूट पड़ा इसी बीच राज वेस्ट लिमिटेड के अधिकारियों ने तेली समाज के लोगो से कहा आपकी प्रशासन की मौजूदगी में हम से वार्ता करें वार्ता हुई लेकिन वार्ता बेनतीजा रही किसानों ने कहा कम्पनी द्वारा किए गए वादे के अनुसार कब्रिस्तान की भूमि शहर के नजदीक देना योग्यता अनुसार रोजगार और पुनर्वास के वादे पूरे करने का किसानों ने मांग की इस पर द्वारा कहा गया हम उच्च स्तर के अधिकारियों से बात करके अगली बैठक में रखेंगे इसके बाद किसानों की एक बैठक महावीर पार्क में आयोजित हुई जिसमें किसानों ने कहा जमीन के बदले जमीन नहीं दी तो किसान अपना कब्जा नहीं हटाएंगे कंपनी चाहे जो कर ले कितना भी जोर लगा ले बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री अशरफ अली ने कहा तेली समाज के लोगों ने आज दिन तक किसी तरह की कोई मांग नहीं की आप के वादे के अनुसार कब्रिस्तान की भूमि देने का आपने वादा किया था जो पुरा करे किसान एक इन्च भी पीछे हटने को तैयार नहीं है कुछ भी हो जाए अपना हक लेकर रहेगा तेली समाज के हाजी अब्दुल गनी ने कहा कम्पनी वादा पूरा करें नहीं तो किसान अपने हक की लड़ाई के लिए आर पार की लड़ाई के लिए तैयार है आगामी बैठक के बाद किसान अपनी रणनीति पर फिर विचार करेगा आंदोलन तेज करेगे इस मौके पर तेली समाज बाड़मेर व तेलियान अंजुमन संस्था के अध्यक्ष अब्दुल रहमान पुर्व राज्यमंत्री अशरफ अली खिलजी, सदर,हाजी अब्दुल गनी खिलजी, रहमान खिलजी,हाजी गुलाम नबी,हाजी अब्दुल सत्तार गौरी,हाजी अय्यबु खान,हाजी अब्दुल कलाम,अलीशेर खान,हाजी शफी राठोड़, शोकत अली,पीरू खान,सद्दाम हुसैन गौरी,आबिद खान खिलजी, हबीबुल्लाह खान,सैफ खान आदि समाज के गणमान्य लोग मौजुद रहे इसके जिला कलेक्टर को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

एबीएसए नेवादा कौशांबी शिक्षा विभाग के प्रधानाध्यापक व टीचर स्टॉफ मनमानी पर अभी भी डाल रहे पर्दा अब तक नहीं किया कार्रवाई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन/कौशांबी। नेवादा ब्लांक के अहलादपुर गांव में बने प्राथमिक विद्यालय में समय से नहीं पहुंचते टीचर व प्रधानाध्यापक वही ग्रामीणों से पूछा गया था ग्रामीणों का आरोप है कि सुबह 9:00 बजे खुलता है 10:00 बजे बंद हो जाता है। एबीएसए नेवादा कौशांबी पर आखिर क्या है मजबूरी जो नहीं कर रहे कार्रवाई.रिपोर्टर द्वारा बार-बार अवगत कराया गया लेकिन फिर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं किया गया। बस आश्वासन दिया जा रहा है कि कार्रवाई करेंगे एक महीना होने को जा रहा है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं। सरकार की मंशा पर सवाल उठना लाजमी है लेकिन यह सरकारी विभाग है कि मानता ही नहीं ना ही समय से विद्यालय आते हैं ना ही समय से जाते हैं विभाग को भी गुमराह करते हैं यहां तक तो कई कई विद्यालय के टीचर पूरे पूरे महीने ही गायब रहते हैं लेकिन यह विभाग है कि इन पर कारवाही करने के बजाए लेनदेन कर बचा लिया जाता है इसलिए और हौसले बुलंद है चाहे अध्यापक हो या अध्यापिका किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता आज हमारी टीम विद्यालय पहुंची तो विद्यालय समय से पहले बंद मिला 1:00 बजे गेट पर ताला बंद नजर आया आसपास स्टाफ भी नहीं दिखा जिससे साफ जाहिर है कि विद्यालय अक्सर ऐसा ही बंद रहता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा में चोरों की आयीं मौज

संवाददाता/अरमान उलहक

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में लाखों की संख्या में भीड़ उमड़ी। इस दौरान उन्होंने अलीगढ़ को बड़ी सौगात दे गए। प्रधानमंत्री को सुनने आए लोगों में सुबह से उत्साह रहा लेकिन जब जनसभा समाप्त हुई और लोगों को वापस चलना हुआ तो किसी का मोबाइल गायब है तो किसी की जेब कट गयी। इतना ही नहीं पार्किंग से वाहन तक चोरी हो गए। ऐसे में सवाल उठता है कि इतनी भारी तादात में तैनात पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे।पीएम मोदी के जाने के बाद जनसभा में आए लोगों में मायूसी छा गयी। दरअसल जनसभा के दौरान किसी का मोबाइल चोरी हो गया तो किसी की बाइक चोरी हो गयी। इतना ही नहीं पार्किंग में खड़े पुलिस के वाहन भी चोरी हो गए।प्रधानमंत्री मोदी आगमन के दौरान गाजियाबाद के ट्रैफिक कर्मी शिवकुमार की ड्यूटी यूनिवर्सिटी पर लगाई गयी थी। मोदी भाषण के बाद जब सिपाही बाइक लेने गया तो बाइक नहीं मिली जिसकी सूचना कंट्रॉल रुम पर दी गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी की एवं मोदी रैली में जवां के गांव सीयपुर निवासी कृष्ण कुमार शर्मा की पैशन प्रो, लोधा के गांव ल्होर्रा निवासी विपिन कुमार की प्लेटीना, मथुरा के गांव करारी निवासी गोपाल की हीरो डीलक्स बाइक चोरी हो गयीं पीड़ितों ने थाना लोधा पर तहरीर दी हैं। प्रधानमंत्री की जनसभा में आये करसुआ निवासी प्रताप सिंह पुत्र चंद्रपाल एवं राम उपाध्याय पुत्र हरीश, टप्पल के गांव रसूलपुर निवासी रामपाल सिंह,लोधा के गांव नदरोई निवासी निशांत तिवारी, कीरतपुर निमाना निवासी योगेश, जवां के गांव छेरत निवासी विपिन कुमार आदि के मोबाइल चोरी हो गए। कई लोगों की जेबें भी कटीं। मोबाइल चोरी की तहरीर देने पीड़ित थाना लोधा पहुंचे तो वहां मोबाइल चोरी की तहरीर बदलवा दी गयी और मोबाइल गिरने की तहरीर देने को कहा गया।

बच्चियों को बहला फुसलाकर कान की बाली ले भागी महिला

संवाददाता/अरमान उलहक

जैतपुरा। थाना अन्तर्गत गोपालगंज बाड़ा में सोमवार की साय काल एक महिला ने दो बच्चियों को बहला फुसला कर घर से कुछ दूर ले जाकर सोने की बाली निकाल लिया घटना की जानकारी तब हुई जब बच्चिया घर आई। बताया जाता की सुजीत जायसवाल की पुत्री आराध्य 11 वर्ष दिव्या 7 वर्ष घर के बाहर खेल रही थी इस दौरान एक बुर्का पहने महिला आई बोली की तुम्हारे पापा रोड पर बुलाये है। बच्चियों को ले जाकर फुसलाकर उन दोनों के कान की बाली लेकर भाग गयी। जब बच्ची घर पहुची तो इसकी जानकारी हुई वही आस पास के सीसी टीवी कैमरे में महिला की फुटेज मौजूद हैं। मुक्त भोगी ने अभी तक पुलिस को तहरीर नही दिया।

राजस्थान हलचल

मदद करने को तैयार ओर जरूरतमंद हाथों तक पहुंचाने का काम करती है हेल्पिंग ड्रीम्स वेलफेयर सोसाइटी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

कौशाबी। यदि आप वाकई जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरना चाहते हैं, तो 'खुशियां' आयें। हेल्पिंग ड्रीम्स वेलफेयर सोसाइटी, एक ऐसी संस्था जो आपको आपकी जरूरत के हिसाब से करती है सही एनजीओ से जुड़ने में मदद।कई बार ऐसा होता है न कि हमारे पास देने को खूब सारे कपड़े हों घर पर लेकिन हमें समझ नहीं आता कि जरूरतमंद लोगों तक कैसे पहुंचा जाए, हमारे पास किताबें होती हैं, जिनसे कई नौनिहालों का भविष्य संवर जाए लेकिन हम उन तक पहुंच ही नहीं पाते, हमारी इसी कसमसाहट को कम करने का काम करता है हेल्पिंग ड्रीम्स वेलफेयर सोसाइटी ज्यादा जानकारी के लिए संस्था के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद से संपर्क कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिर में नहीं रहने देंगे एक भी जूं, इतने कमाल के हैं ये नुस्खे

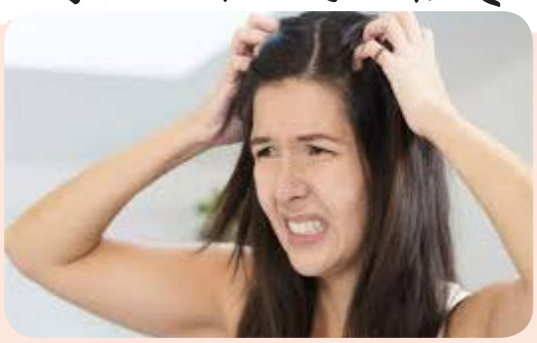

बारिश के मौसम में भीगने के कारण सिर में जुएं पड़ जाती है। इसके अलावा गंदे बाल, गीले बालों को बाधना, पसीना या किसी और का तौलिया या हेयर ब्रश इस्तेमाल करने से भी सिर की जुएं पड़ हैं। जब जूएं सिर पर अपना घर बना लेती है तो खुजली कर-कर के बुरा हाल हो जाता है। वहीं इसके कारण दूसरों के सामने शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिससे आपकी यह समस्या मिनटों में दूर हो जाएगी।

जुओं को दूर करने के घरेलू नुस्खे

➤**काली मिर्च और दही** - जूओं को भगाने के लिए आप काली मिर्च और दही का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। साथ ही इससे इंफेक्शन का खतरा भी कम होता है। इसके लिए 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1 कप दही और 2 चम्मच नींबू के रस को मिलाकर नहाने से 20 मिनट पहले लगाएं और फिर ताजे पानी से धो लें। ध्यान रखें कि नहाते वक्त आपकी आंखें अच्छी तरह बंद हो।

➤**अमरूद के पत्ते** - अमरुद के पत्तों को पीसकर उसमें हल्दी मिलाएं। फिर नहाने से करीब 2 घंटे पहले इसे स्कैल्प पर लगाएं और शॉवर कैप से कवर लें। इसके बाद ताजे पानी से धो लें। इससे जुएं मर जाएंगी।

➤**नीम** - नीम के पत्तों को पीसकर नहाने से पहले सिर पर 2 घंटे के लिए लगाने से भी जुओं से छुटकारा मिलता है।

➤**तुलसी के पत्ते** - बालों में पिसे तुलसी के पत्ते लगाकर कपड़े से कवर कर लें। इससे जुएं मर जाएं और कपड़े से चिपक जाएंगी। इसके बाद ताजे पानी से बालों को अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में कम से कम 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

➤**लहसुन** - नहाने से पहले लहसुन की कुछ कलियों को पीसकर नींबू के रस में मिलाकर लगाएं और 10-15 मिनट बाद ताजे पानी से बाल धो लें। इससे जुएं मर जाएंगी और बाहर निकल जाएंगी।

➤**बेबी ऑयल** - बालों में थोड़ा-सा बेबी ऑयल लगाकर रातभर के लिए छोड़ दें। इसके बाद सुबह बारीक कंघी से जुओं को बाहर निकाल लें। फिर माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। हफ्ते में कम से कम 2-3 बार ऐसा करने से आपको फर्क देखने को मिलेगा।

➤**नमक** - नमक के इस्तेमाल से भी जुओं को आसानी से निकाला जा सकता है। इसके लिए 1/4 कप नमक और सिरके को अच्छे से मिक्स करें। अब इसे स्प्रे बोतल में डालकर बालों में लगाएं और फिर शॉवर कैप कवर करके 2 घंटे के लिए छोड़ दें। फिर शैंपू से बालों को अच्छी तरह धोएं। इससे भी आपको बेहतर रिजल्ट मिलेगा।

➤**पेट्रोलियम जेली** - जूंओं की समस्या होने पर पेट्रोलियम जेली की एक मोटी परत अपने स्कैल्प पर लगाकर शॉवर कैप से सिर को कवर करें और रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह के बेबी ऑयल से मसाज करके कंघी करके शैंपू करें। हफ्ते में 2 बार ऐसा करने से आपको खुद फर्क दिखाई देगा।

➤**टी ट्री ऑयल** - 1 टीस्पून टीट्री ऑयल, थोड़ा-सा शैंपू और 3 टेबलस्पून नारियल या जैतून का तेल को मिक्स करके बालों में आधे घंटे तक लगाएं। फिर गुनगुने पानी से सिर धोएं। हफ्ते में 2-3 बार इसका यूज करें।

➤**सफेद सिरका** - सफेद सिरका और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर बाल धोएं। हफ्ते में 3-4 बार ऐसा करने से आपको खुद फर्क महसूस करेंगे।

नहाते वक्त ये गलतियां पहुंचा सकती हैं त्वचा और बालों को नुकसान

दिन भर की थकान मिनटों में दूर करने के लिए 10 मिनट का शॉवर ही काफी है। नहाने से शारीरिक रिलैक्सेशन मिलने के साथ-साथ मन भी रिलैक्स हो जाता है। यही वजह है कि कई कई लोग अपनी थकान दूर करने के लिए भी नहाना पसंद करती हैं लेकिन कई बार हम बॉडी को रिलैक्स करने के चक्कर में ऐसी कुछ गलतियां कर जाते हैं जिनकी वजह से हमें कई स्किन प्रॉब्लमस का सामना करना पड़ता है। न केवल स्किन बल्कि बालों को भी नुकसान पहुंचता है। तो आइए आज जानते हैं नहाते वक्त अनजाने में होने वाली गलतियों के बारे में...

बहुत गर्म पानी से नहाना - बहुत से लोग थकावट दूर करने के लिए गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि गर्म पानी से नहाने के बाद शरीर हल्का हो जाता है लेकिन पानी इतना भी गर्म नहीं होना चाहिए की उससे आपकी त्वचा का नेचुरल मॉश्चराइजर ही खत्म हो जाए। इससे आपकी स्किन ड्राई और खिंची-खिंची रह सकती है।

देर तक नहाना - पानी की फुहार के बीच हर तरह का तनाव और परेशानी जैसे मिट जाते है। कई बार उस मजे में लोग कई देर शॉवर के नीचे या फिर बाथ-टब में बैठे रहते हैं। खासतौर पर महिलाओं की त्वचा ऐसा करने से रुखी-सूखी व ड्राई रहने लगती है। बाथ-टब में 10 मिनट से ज्यादा कभी नहीं बैठना चाहिए।

सिर में कसकर तौलिया बांधना - कई महिलाएं सिर धोने के बाद बालों को तौलिए से बांध लेती हैं। यह गलती आपके बालों की सेहत के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं है। दरअसल गीले बाल ज्यादा नाजुक होते हैं। अगर आप गीले बालों को तौलिए में कसकर बांध लेती हैं तो इससे उनके कमजोर होकर टूटने की आशंका बढ़ जाती है। कई महिलाएं बाल खोलते ही गीले बालों का झाड़ना शुरू कर देती हैं, इससे उनके कमजोर होकर टूटने की आशंका बढ़ जाती है। अगर आप पहले से ही हेयरफॉल की समस्या से जूझ रही हैं तो इन आदतों को बदलें और गीले बालों हल्के से बांधे व खोलने के बाद आराम से सुलझाएं।

लूफा यानि नहाने वाला ब्रश - आमतौर पर महिलाएं या फिर बच्चे नहाने के दौरान मैल साफ करने वाले ब्रश को जमीन पर रख देते हैं। उसे फिर से उठाकर शरीर पर मलने से त्वचा संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। नहाते वक्त एक बार में ही बॉडी साफ करने के बाद ब्रश को धोकर साइड किसी हैंडल पर टांग दें। कभी भी साबुन लगा ब्रश बिना साफ किए ऐसे ही बाथरुम में न छोड़े, ऐसा करने से लूफा में बैक्टीरिया ग्रोथ होने की आशंका बढ़ जाती है।

बहुत खुशबूदार साबुन से नहाना - बहुत से लोग स्पैशली महिलाएं खुसबूदार साबुन से नहाना पसंद करती हैं। बहुत ज्यादा खुशबू भी आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है। बेहतर होगी कि खूशबूदार साबुन के बजाय आप एसेंशियल ऑयल से भरपूर साबुन का इस्तेमाल करें। इससे आपको भीनी-भीनी खुशबू भी आएगी और आपकी त्वचा भी जवां नजर आएगी।

आपकी इन 7 प्रॉब्लम्स की वजह है फ्रिज का ठंडा पानी

गर्मियों के मौसम में प्यास बुझाने के लिए हर कोई ठंडे पानी का सहारा लेता है। भले ही ठंडा पानी पी कर आपको तुरंत राहत मिल जाती होगी मगर यही राहत आपको आगे चल परेशान भी कर सकती है। खासकर जब बाहर धूप से घर में घुसते ही आप भी सीधे फ्रिज खोल कर ठंडा पानी पीते हैं तो सीधे तौर पर अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे होते हैं। तो चलिए आज जानते हैं ठंडे पानी के सेवन से सेहत को पहुंचने वाले नुकसानों के बारे में....

➤वजन बढ़ने का कारण

ज्यादा ठंडा पानी पीने से पेट पर चर्बी जमा होने लगती है। ऐसे में कोशिश करें कि कम से कम ठंडा पानी पीएं और ज्यादा से जयादा गर्म पानी पीएं। गर्म पानी से आपकी बॉडी में मौजूद फैट आसानी से बाहर निकल सकता है।

➤एनर्जी लेवल करता है कम

ठंडा पानी पीने से बॉडी में मेटाबॉलिज्म स्लो काम करने लगते हैं। जिससे शरीर में काम करने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है।शरीर सुस्त रहता है और एनर्जी लेवल डाउन हो जाता है।

➤कब्ज की शिकायत

कब्ज की समसया है तो आपको ठंडे पानी का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। ठंडा पानी से आपकी कब्ज की समस्या और भी बढ़ सकती है। जरुरत से अधिक ठंडा पानी पेट की मांसपेशियों को कठोर कर देता है जिससे पेट से जुड़ी कई समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।

➤खाना पचाने में दिक्कत

ठंडा पानी पाचन क्रिया को कमजोर करता है। जिससे खाना पचाने में दिक्कत आती है। मैडिकली प्रूव हो चुका है कि अधिक ठंडा पानी पीने वालों के पेट में अक्सर दर्द रहता है। ठंडा पानी आपके हार्ट रेट को कम करता है क्योंकि इससे गर्दन के पीछे मौजूद एक नस प्रभावित होती है जो हार्ट रेट को धीमा कर देती है।

➤डीहाइड्रेशन

ठंडा पानी प्यास बुझा देता है बल्कि नॉर्मल पानी प्यासे आदमी की प्यास को और भी बढ़ाता है। जिससे थोड़ी देर बाद व्यक्ति और पानी पीता है। जिससे शरीर डीहाइड्रेटेड होने से बच जाता है वहीं अगर ठंडे पानी से ही पूरे दिन प्यास बुझाई जाए तो चाह कर भी पेट में पानी की उचित मात्रा नहीं पहुंच पाती है।

➤गले में इंफेक्शन

ठंडे पानी के सेवन से गले में गले में इंफेक्शन होने के चांसिस बढ़ जाते हैं। ज्यादा ठंडा पानी कफ का कारण भी बन सकता है। जो बच्चे अधिक ठंडा पानी पीते है उनके ग्ले में टॉसिल्स बन जाते हैं जिसका असर उनके शारीरिक विकास पर पड़ता है। ऐसे में खुद भी नार्मल पानी पिएं और बच्चों को भी सादा पानी ही दें।

➤सिर दर्द का कारण

ठंडा पानी सिर पर मौजूद क्रॉनियल नस को भी अफेक्ट करती है जिससे सिर में तेज दर्द होता है। कुछ लोग तेज धूप को सिर दर्द का कारण समझने लगते हैं। जबकि बाहर धूप से आकर एकदम ठंडे पानी का सेवन ही सिर दर्द का कारण बनता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ईशा गुप्ता को इंडस्ट्री में करना पड़ा भेदभाव का सामना

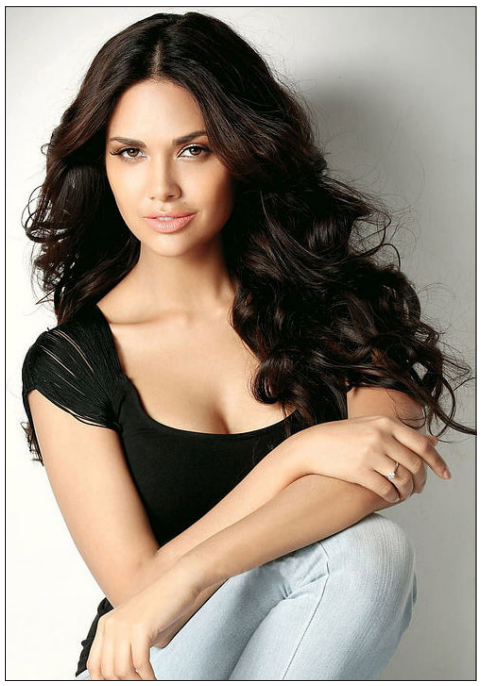

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रही हैं। उन्होंने 'जन्नत 2' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। ईशा भले ही अपनी फिटनेस और बेहतरीन फिगर को लेकर चर्चा में बनी रहती हों लेकिन उनको अपने रंग को लेकर इंडस्ट्री में भेदभाव का सामना करना पड़ा है। ईशा गुप्ता ने अपने फिल्म इंडस्ट्री के अनुभव के बारे में बताया है। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा था जब मेकअप आर्टिस्ट जानबूझकर उनके काले रंग को छिपाने की कोशिश करते थे। उन्हें गोरा दिखने की सलाह दी जाती थी। यहां तक कि उनकी पूरी बॉडी का मेकअप भी किया जाता था। ईशा ने कहा, जब मैंने इंडस्ट्री में शुरूआत की तो कई एक्टर ऐसे थे, जिनके साथ मैंने काम नहीं किया था। वो मुझे मिलकर बोलते थे कि तू अपना मेकअप थोड़ा काला करती है। गोरा किया कर। मुझे ये सुनकर लगता था कि यह क्या है? कई मेकअप आर्टिस्ट ऐसे थे जो मुझे गोरा दिखाने की कोशिश करते थे। इसके लिए वो पूरा शरीर मेकअप करते थे। उन्होंने कहा, मैंने दो मल्टीस्टारर की हैं और उन्होंने मुझे कहा तुम सेक्सी हो, क्योंकि मेरा स्किन टोन काला है। हमारे देश में जिसे काला माना जाता है, वो सिर्फ सेक्सी या नेगेटिव हो सकता है। गोरी रंग की लड़कियों को शरीफ माना जाता है।

अजय देवगन भी नजर आएंगे रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में

रोहित शेट्टी और अजय देवगन की दोस्ती जगजाहिर है। दोनों ने कई फिल्में साथ की है। अजय तो रोहित की फिल्मों में कैमियो के रूप में भी दिखाई देते हैं। सिम्बा में भी नजर आए थे और सूर्यवंशी में भी उन्होंने छोटा सा रोल अदा किया है। खबर आई है कि एक बार फिर रोहित के लिए अजय दोस्ती निभाने जा रहे हैं। उन्होंने 'सर्कस' में छोटा सा रोल करना स्वीकार कर लिया है। वे एक गाने में नजर आएंगे। वे नवंबर में इसके लिए शूटिंग करेंगे। सर्कस में दीपिका पादुकोण भी कैमियो करती दिखाई देंगी। दीपिका ने रोहित के साथ 'चेन्नई एक्सप्रेस' जैसी हिट फिल्म की थी। सर्कस में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। उनके फिल्म में डबल रोल है। यह फिल्म गुलजार की 'अंगूर' पर आधारित है जिसमें संजीव कुमार नजर आए थे।